17/01/22

Ques. समाजीकरण की प्रक्रिया में परिवार की भूमिका की विवेचना करें।

Ans. समाजीकरण की प्रक्रिया में परिवार की भूमिका - परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। परिवार समाज का दर्पण है। इसके अंतर्गत समाज में पाए जाने वाले सभी आदर्श, मूल्य, प्रस्थितियाँ, व्यवहार प्रतिमान तथा भूमिका पायी जाती है। यही कारण है कि परिवार समाजीकरण की प्रक्रिया का सशक्त तथा प्राथमिक माध्यम है।

समाजीकरण सीखने की प्रक्रिया है तथा इसके जरिए समाज की विशेषताओं तथा तत्वों को ग्रहण किया जाता है। मकाइवर के अनुसार "समाजीकरण एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा सामाजिक प्राणी एक दूसरे के साथ अपने व्यापक तथा घनिष्ठ संबंध स्थापित करते हैं जिसमें वे एक दूसरे से अधिकाधिक बंध जाते हैं तथा एक दूसरे के प्रति अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों की भावना का विकास करते हैं, जिसमें वे अपने एवं दूसरे के व्यक्तित्व को अधिक अच्छी तरह समझने लगते हैं तथा जिसमें वे निकट एवं अधिक सामंजस्य की जटिल संरचना का निर्माण करते हैं।"

परिवार समाजीकरण के सबसे महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में—
परिवार समाज का प्राथमिक समूह है। परिवार के सभी सदस्यों की अपनी-अपनी प्रस्थिति तथा भूमिकाएँ होती हैं। उदाहरण के लिए माता-पिता तथा परिवार के अन्य सदस्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह निर्धारित मापदंडों के अनुरूप करते हैं। बच्चा परिवार के आदर्शों, मूल्यों तथा प्रतिमानों को आत्मसात करता है तथा उनके साथ अपना तादात्म्य स्थापित करता है। इस प्रकार परिवार बच्चे के समाजीकरण की प्रक्रिया की नर्सरी है जहाँ से बच्चा समाजीकरण की प्रक्रिया से निकलकर समाज से अनुकूलन करना सीखता है।

जॉनसन के अनुसार "परिवार विशेष रूप से इस प्रकार संगठित रहता है जो समाजीकरण को संभव बनाता है। किंग्सले डेविस के अनुसार "पारिवारिक व्यवहार के अंतर्गत मौलिक और क्रियात्मक संबंध बच्चे तथा माता का है। किंग्सले डेविस ने आगे कहा है कि "समाज के अंतर्गत समाजीकरण के विभिन्न माध्यमों में परिवार

सदस्यों महत्वपूर्ण है, इसमें कोई संदेह नहीं कि परिवार के अंतर्गत माता पिता ही साधारणतया अत्याधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति है।

अपने जन्म से लेकर तीन वर्ष तक बालक प्रायः परिवार से बाहर कोई संबंध नहीं रखता है। परिवार के सदस्यों के मूल्यों प्रतिमानों तथा व्यवहारों आदि का बच्चों के समाजीकरण पर काफी अधिक प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए जो माता-पिता परिवार में बच्चों को सशक्त सामाजिक तथा सांस्कृतिक आधार प्रदान करते हैं, उन परिवार में समाजीकरण की प्रक्रिया निर्बाध रूप से चलती रहती है।

दूसरी तरफ जिन परिवारों में बच्चों को संतुलित सामाजिक तथा सांस्कृतिक आधार नहीं मिल पाता वहां समाजीकरण की प्रक्रिया में बाधा पड़ जाती है।

प्रत्येक परिवार अपने बच्चों को समाज के मूल्यों तथा प्रतिमानों के अनुरूप ढालने का प्रयास करता है।

किंबल यंग के अनुसार सांस्कृतिक अनुकूलन परिवार में ही होता है। किंबाल यंग ने इस बारे में लिखा है कि

"यह कुछ प्रकार से माना गया है जिसमें परिवार के सदस्यों और विशेष रूप से माता पिता एक दिए हुए समाज के मौलिक सांस्कृतिक प्रतिमानों का परिचय बच्चों को देते हैं"

अंततः हम कह सकते हैं कि परिवार समाजीकरण के पहली सीढ़ी है। और परिवार समाजीकरण की प्रक्रिया को महत्वपूर्ण तथा दिशा प्रदान करने और निर्णायक आवश्यक है।

DR Vijant Kumar Mishra
Asst Professor (Guest Faculty)
Dept of Sociology
Date- 17/01/2022